हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 11 अंक : 93 देहरादून, बुधवार, 28 सितंबर, 2022 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

अंतरराष्ट्रीय अग्र परिवार की शुरुआत उत्तराखंड देहरादून में 3

सीएम धामी ने 'स्वच्छता गौरव सम्मान' देकर बढ़ाया स्वच्छता दूतों का सम्मान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 28 सितंबर ,मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सेवा पखवाड़ा 2022 के तहत 'स्वच्छता गौरव सम्मान' कार्यक्रम में स्वच्छता दूतों को सम्मानित किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने पी.एम स्वनिधि के लाभार्थियों एवं स्वच्छता पर आयोजित निबंध एवं चित्रकला प्रतियोगिता के विजेता बच्चों को भी सम्मानित किया।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेश के 'स्वच्छता दूतों' का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इनकी संकल्प शक्ति और प्रयासों ने राज्य में स्वच्छता का एक नया अध्याय लिखा है। यह प्रत्येक उत्तराखंडवासी के लिए गर्व का विषय है कि स्वच्छ सर्वेक्षण-2022 में हमारे शहरी क्षेत्र के चार निकायों को महामहिम राष्ट्रपति द्वारा 1 अक्टूबर को सम्मानित किया जाएगा। स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण के तहत भी उत्तराखंड राज्य ने छह विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कार जीते हैं। उन्होंने इसके लिए सभी स्वच्छता दूतों, शहरी विकास विभाग, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग को बधाई दी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे स्वच्छता दूत ही स्वच्छता अभियान की धुरी हैं। भारतीय संस्कृति और दर्शन में स्वच्छता हमेशा से सर्वोच्च प्राथमिकता रही है। ये हमारे मूल्यों और संस्कारों का अभिन्न अंग है। उन्होंने कहा कि अपनी गौरवशाली परंपराओं का स्मरण करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में स्वच्छता का एक ऐसा महा-अभियान चलाया जा रहा है जिसकी सफलता की चर्चा पूरे विश्व में हो रही है। जब सरकार के प्रयासों में जन-भागीदारी जुड़ती है, तो उन प्रयासों की शक्ति कई गुना बढ़ जाती है। स्वच्छता को लेकर समाज में बड़ी जागरूकता ही वो मूलमंत्र है जिसने स्वच्छता अभियान की सफलता सुनिश्चित की है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देवभूमि उत्तराखण्ड आस्था का प्रमुख केन्द्र होने के साथ ही पर्यटन प्रदेश भी है। ऊर्जा एवं पर्यटन के क्षेत्र में उत्तराखण्ड में अपार संभावनाएं हैं। वैश्विक पर्यटन के नक्शे पर आज उत्तराखंड ने एक नया स्थान अर्जित किया है। स्वच्छता और पर्यटन का आपस में गहरा रिश्ता है और जहां स्वच्छता होती है वहां पर्यटन में भी वृद्धि निश्चित होती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत एक ऐसे वर्ग के उत्थान का भगीरथ कार्य किया है, जिस पर आजादी के बाद से कभी ध्यान ही नहीं दिया गया। आज हमारे अनेकों रेहड़ी-पटरी वाले, ठेला चलाने वाले, स्ट्रीट वेंडर्स इस योजना का लाभ उठा कर न केवल अपनी जीवन को सबल बना रहे हैं बल्कि अपनी बच्चों के भविष्य को भी उज्ज्वल कर रहे हैं। राज्य में पीएम स्वनिधि योजना का लाभ अधिक से अधिक पात्रों तक पहुंचा कर उनका सशक्तिकरण करने की दिशा में राज्य सरकार प्रयासरत है।

शहरी विकास मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा प्रत्येक क्षेत्र में कार्य करने वाले लोगों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। सभी ग्राम प्रधानों ने भी अपने क्षेत्र में स्वच्छता से संबंधित उत्कृष्ट कार्य किए हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने स्वच्छ भारत मिशन की शुरुआत की, जिसके अंतर्गत उन्होंने स्वयं झाड़ु लगाकर संपूर्ण देश को स्वच्छता का संदेश दिया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखंड राज्य के अंतर्गत सेवा पखवाड़ा के रूप में विभिन्न जगहों पर स्वच्छता कार्यक्रम चलाया जा रहा है। पर्यावरण मित्रों ने स्वच्छता के क्षेत्र में अभूतपूर्व काम किए हैं। साथ ही उनके द्वारा कोरोना काल में किए गए समाज सेवा, एवं मानवता कार्य भुला पाना नामुमकिन है। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा कोरोना काल में पी०एम०स्वनिधि के माध्यम से कई परिवारों के भरण पोषण का कार्य किया। कृषि एवं सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि आज जिस तेजी से शहरों में जनसंख्या बढ़ रही है उसके अनुसार स्वच्छता को बनाये रखना एक अहम चुनौती है, फिर भी हमारे स्वच्छता दूत रात दिन एक कर शहरों को स्वच्छ बनाने में अपना योगदान दे रहे हैं। आज स्वच्छता दूतों व पी.एम.स्वनिधि के लाभार्थियों के बच्चों को पुरस्कार वितरण किया जा रहा है, यह इनके मनोबल बढ़ाने में कारगर साबित होगा।

इस अवसर पर मेयर सुनील उनियाल गामा, विधायक दुर्गेश लाल, सचिव शहरी विकास दीपेन्द्र चौधरी, अपर सचिव ईवा आशीष श्रीवास्तव, निदेशक पंचायती राज बंशीधर तिवारी, निदेशक शहरी विकास नवनीत पाण्डेय एवं अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

देहरादून के ऑल बॉयज नेशनल इंडियन मिलिट्री कॉलेज में पहली बार 2 लड़कियों को प्रवेश

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

राष्ट्रीय भारतीय सैन्य कॉलेज (RIMC) - जो सशस्त्र बलों में शामिल होने के इच्छुक लोगों के लिए एक प्रमुख तैयारी मैदान के रूप में माना जाता है - संस्था के 100 से अधिक वर्षों के इतिहास में पहली बार दो लड़कियों को शामिल किया गया।'2022 का जुलाई बैच' सोमवार को कक्षा 8 के छात्रों के साथ शुरू हुआ, जिसमें दो छात्राएं भी शामिल थीं।

केंद्रीय कमान के जनसंपर्क अधिकारी शांतनु प्रताप सिंह ने इसे ₹कॉलेज के लिए एक ऐतिहासिक क्षणष् करार दिया। उन्होंने कहा कि एक छात्रा हरियाणा की है और दूसरी दिहाड़ी की छात्रा है। RIMC में लड़कियों को प्रवेश देने का निर्णय सरकार द्वारा महिलाओं के लिए राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (NDA) के दरवाजे खोलने के बाद आया।

RIMC कमांडेंट कर्नल अजय कुमार ने मार्च में संस्था के शताब्दी स्थापना दिवस के दौरान घोषणा की थी कि वे जल्द ही छात्राओं को भी शामिल करेंगे। संस्थान को छात्राओं के लिए उपयुक्त बनाने के लिए सैन्य कॉलेज ने अपने निर्णय को अंतिम रूप देने से पहले सभी आवश्यक कदमों का आकलन करने के लिए एक समिति का गठन किया था।आरआईएमसी के एक अधिकारी ने कहा कि हालांकि इस बैच में लड़कियों के लिए पांच सीटें थीं, लेकिन केवल दो ही नामांकन की प्रक्रिया को पूरा कर सकीं। उन्होंने कहा कि अगले साल जनवरी बैच से लड़कियों के लिए सीटों में वृद्धि की जाएगी.पांच सीटों के लिए देशभर से कुल 568 लड़कियों ने प्रवेश दिया था। RIMC की स्थापना 13 मार्च, 1922 को भारतीय युवाओं को सैन्य प्रशिक्षण प्रदान करने के उद्देश्य से की गई थी ताकि बाद में उन्हें अधिकारियों के रूप में ब्रिटिश भारतीय सेना में शामिल किया जा सके।

इन बीमारियों की वजह से दिल भी हो रहा कमजोर

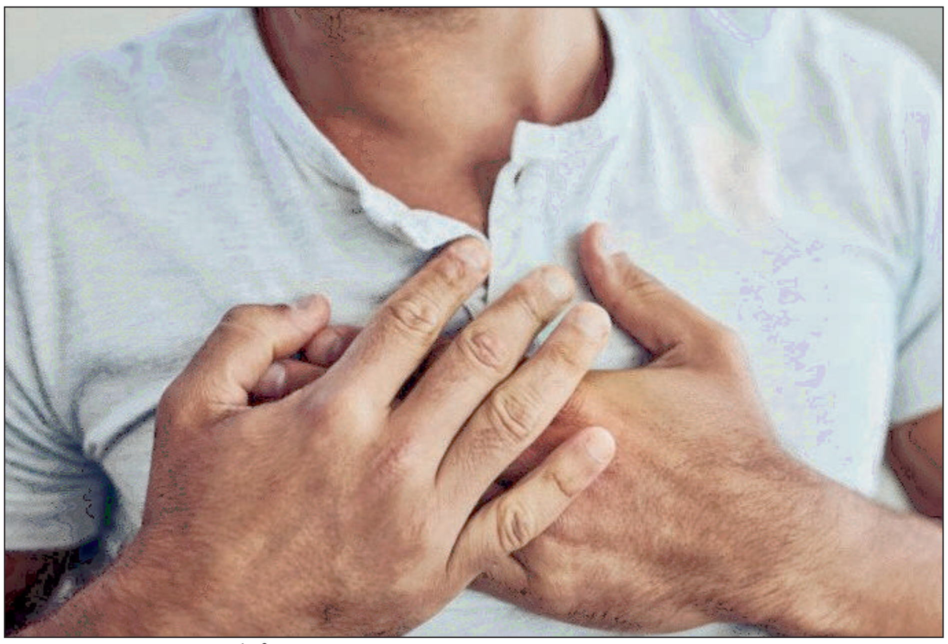

महविश की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 28 सितंबर ,पिछले काफी समय से देश में हार्ट की बीमारियों के मरीज बढ़ रहे हैं. कम उम्र में ही हार्ट अटैक से मौत हो रही है. दिल की बीमारियों के बढ़ने का एक बड़ा कारण कई दूसरी लाइफस्टाइल से जुड़ी बीमारी भी है, लेकिन अकसर लोग इनकी ओर ध्यान नहीं देते हैं. डॉक्टरों के मुताबिक, मोटापा, धूम्रपान और डायबिटीज जैसी समस्या के कारण भी ह्रदय रोग होता है. युवाओं में खराब और व्यायामरहित जीवनशैली, अल्कोहल का अधिक सेवन स्थिति को और भी गंभीर कर रहा है.

किस उम्र के लोगों को सबसे ज्यादा खतरा ? नई दिल्ली के साओल हार्ट सेंटर के निदेशक डॉ. बिमल छाजेड़ बताते हैं कि आज के समय में 25-40 साल की उम्र के लोगों में ह्रदय रोग का खतरा बढने लगा है. एक रिसर्च के मुताबिक, देश हर चार में से एक मौत हार्ट की बीमारियों के लक्षणों की अनदेखी से होती है. अब हार्ट डिजीज 25 से 35 साल की उम्र की महिलाओं व पुरुषों में मृत्यु दर का एक प्रमुख कारण बनता जा रहा है. युवा पीढ़ी में अधिकतर ह्रदय रोग का कारण अत्यधिक तनाव, लगातार लंबे समय तक काम करना, अनियमित नींद पैटर्न है, जिसके कारण इंफ्लामेशन पैदा होता है और हार्ट अटैक का खतरा बढ़ जाता है.

इन बीमारियां से हार्ट को होता है खतरा : डॉ के मुताबिक, मोटापा, डायबिटीज और हाइपरटेंशन से हार्ट अटैक का खतरा काफी बढ़ जाता है. हार्ट डिजीज को रोकने का सबसे आसान तरीका इन डिजीज को कंट्रोल करना है. क्योंकि हार्ट फेल्योर या कार्डियो वैस्कुलर रोग इस बात को दर्शाता है कि आपका दिल स्वस्थ नहीं है. ऐसे में जरूरी है कि लाइफस्टाइल को ठीक रखें और नियमित रूप से स्वास्थ्य जांच कराते रहें

किन डिजीज को रोका जा सकता है डायबिटीज और हाइपरटेंशन जैसे बीमारियों को कंट्रोल करके दिल की बीमारियों रोका जा सकता है. ये डिजीज दवाओं से कंट्रोल हो जाती हैं. इसके अलावा कई दवाएं ऐसी भी हैं जो हार्ट बीट को कंट्रोल में रखती हैं और खून को पतला करती हैं.

हालांकि इन दवाओं को डॉक्टरों की सलाह के हिसाब से ही लेना चाहिए. इसके अलावा इन पांच तरीकों को अपनाकर हार्ट डिजीज से बच सकते हैं.

प्रोटीन शेक के बजाय खाने के लिए स्नायु-निर्माण खाद्य पदार्थ

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

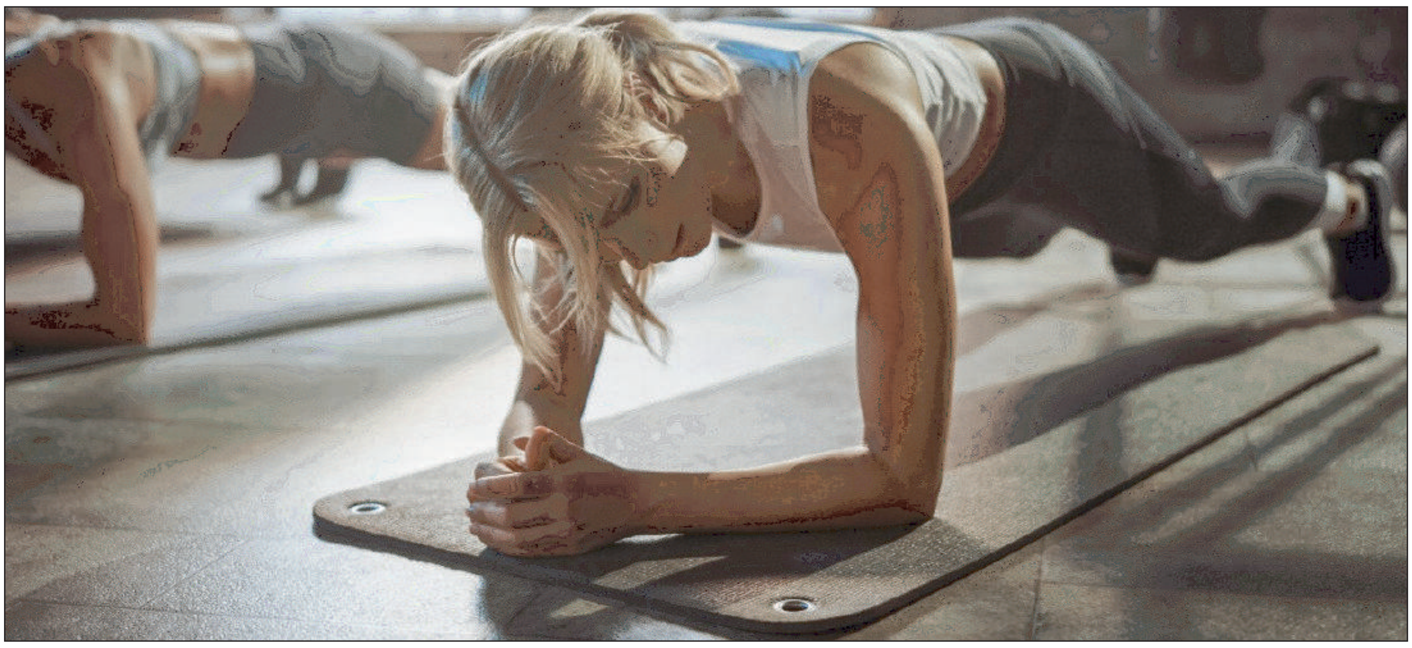

आपको यह जानकर आश्चर्य नहीं होगा कि प्रोटीन मांसपेशियों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अमीनो एसिड का यह संग्रह हमारी मांसपेशियों और अंगों के ऊतकों का एक बड़ा हिस्सा बनाता है। यह आपके आहार का एक अनिवार्य हिस्सा है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि पर्याप्त पाने के लिए आपको रोजाना प्रोटीन शेक कम करना होगा। यद्यपि यह निश्चित रूप से आपके प्रोटीन सेवन को बढ़ावा देने का एक तरीका है, आप वास्तव में इसे कई स्वादिष्ट संपूर्ण खाद्य स्रोतों में पा सकते हैं।

थोड़े से प्रयास से, अपने आहार में उच्च प्रोटीन और अन्य मांसपेशियों के निर्माण वाले पोषक तत्वों वाले खाद्य पदार्थों को शामिल करना आसान है। इस लेख में, हम देखेंगे कि विभिन्न खाद्य पदार्थ आपको मांसपेशियों के निर्माण में कैसे मदद करते हैं - और अगर आप अपनी ताकत बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं तो खाने के लिए सबसे अच्छी चीजें।

अपने लाभ को अनुकूलित करने के लिए खाद्य पदार्थ

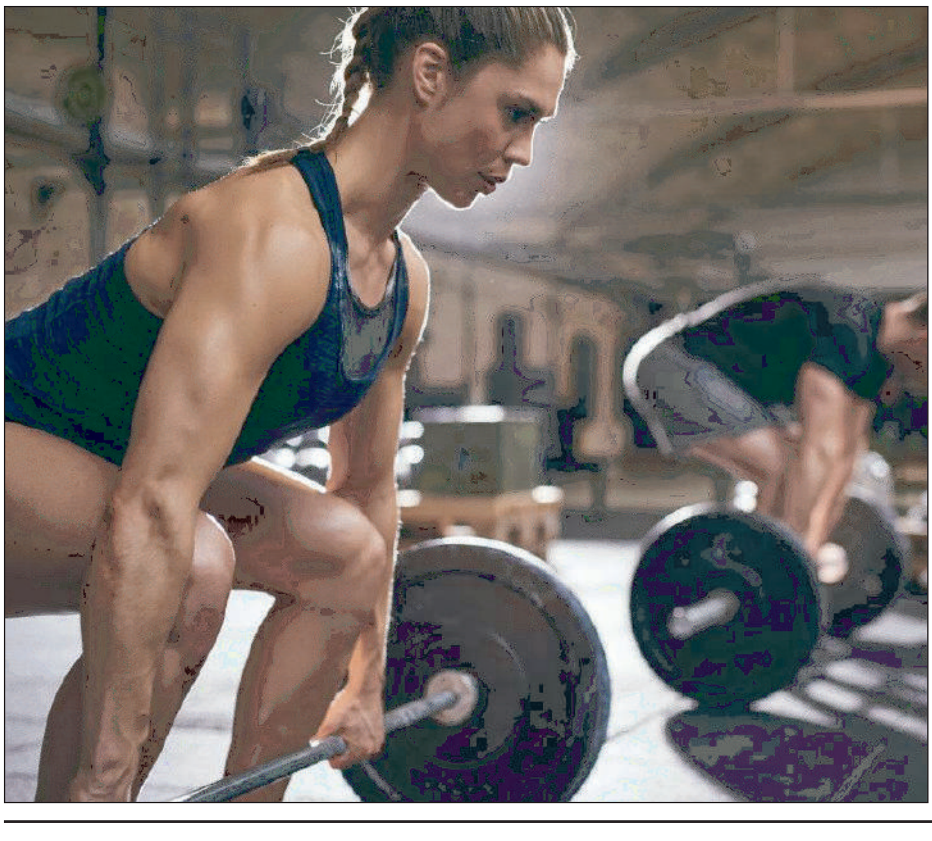

हालांकि मांसपेशियों के निर्माण में कई कारक भूमिका निभाते हैं, इसमें कोई संदेह नहीं है कि आहार एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यहां आठ मांसपेशियों के निर्माण वाले खाद्य पदार्थ हैं जिन्हें आप अपने कसरत को अनुकूलित करने और अपनी मांसपेशियों को बढ़ाने के लिए खा सकते हैं।

1. अंडे

अंडे लंबे समय से एक शक्ति भोजन माना जाता है, और अच्छे कारण के लिए। वे वसा और प्रोटीन से पोषक तत्वों में अविश्वसनीय रूप से समृद्ध हैं और इसमें बी 12, बी 6 और थियामिन जैसे विटामिन का एक शक्तिशाली मिश्रण शामिल है। उनका पोषक तत्व-घना प्रोफाइल उन्हें विशेष रूप से शक्तिशाली बनाता है, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण यह है कि उनमें ल्यूसीन की एक बड़ी खुराक होती है। यह अमीनो एसिड अपनी मांसपेशियों के निर्माण कौशल के लिए जाना जाता है।

2. मछली

यदि आप पहले से ही अपने आहार में पर्याप्त वसा प्राप्त करते हैं, लेकिन अपने प्रोटीन का सेवन बढ़ाने की आवश्यकता है, तो मछली से आगे नहीं देखें। यह प्रोटीन के सबसे अच्छे दुबले स्रोतों में से एक है जिसे आप खा सकते हैं, और यह अन्य विटामिन और खनिजों से भरा है। बोनस? मछली ओमेगा -3 फैटी एसिड से भरपूर होती है। यद्यपि वे अपने कई अन्य स्वास्थ्य लाभों के लिए जाने जाते हैं, ओमेगा -3 भी मांसपेशियों के प्रदर्शन में सुधार कर सकते हैं और मांसपेशियों के नुकसान को रोकने में मदद कर सकते हैं। सैल्मन और टूना विशेष रूप से महान मांसपेशियों के निर्माण वाले भोजन विकल्प हैं।

3. नट

जब कम मात्रा में खाया जाता है, तो नट्स मांसपेशियों के निर्माण के लिए एक उत्कृष्ट विकल्प हैं। ये स्वादिष्ट स्नैक्स प्रोटीन, वसा और फाइबर का एकदम सही मिश्रण प्रदान करते हैं, जो उन्हें आपके कसरत के पूरक के सबसे संतुलित तरीकों में से एक बनाते हैं। हालांकि, आपको सावधान रहना होगा, क्योंकि कई नट्स (मूंगफली सहित, जो वास्तव में फलियां हैं), कैलोरी में उच्च हैं। सबसे अधिक पोषक तत्वों से भरपूर विकल्पों के लिए, बादाम या अखरोट आजमाएँ।

4. सोयाबीन

यदि आप मांस रहित आहार पर मांसपेशियों का निर्माण करने की कोशिश कर रहे हैं, तो सोयाबीन आपके सबसे करीबी दोस्तों में से एक होना चाहिए। ये सबसे अधिक पोषक तत्व-घने फलियां हैं जिन्हें आप खा सकते हैं, और वे मांसपेशियों के निर्माण में सहायता के लिए प्रोटीन का एक शक्तिशाली पंच पैक करते हैं। सोया में सभी नौ आवश्यक अमीनो एसिड होते हैं, जो इसे उपलब्ध सर्वोत्तम पौधों पर आधारित प्रोटीन स्रोतों में से एक बनाता है।

अंकिता की आत्मा मांगे इन्साफ अय्याशी का अड्डा रिजॉर्ट खोलेगा राज़

महविश की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 28 सितंबर , वो बिटिया अब नहीं है , देश प्रदेश और पहाड़ रो रहा है ऐसे कैसे कोई हैवान बन सकता है ? बड़े सपने देखने वाली होनहार लड़की की ज़िंदगी छोटी कैसे हो गयी ? क्या कोई ऐसा सच भी है जो परदे में है ? क्या खौफनाक वारदात का सबसे घिनौना सच अभी आना बाकी है ? ये सवाल पहाड़ का है , लाखों पहाड़ियों का है देश की करोड़ों बेटियों का है। अंकिता की तड़पती आत्मा का है।

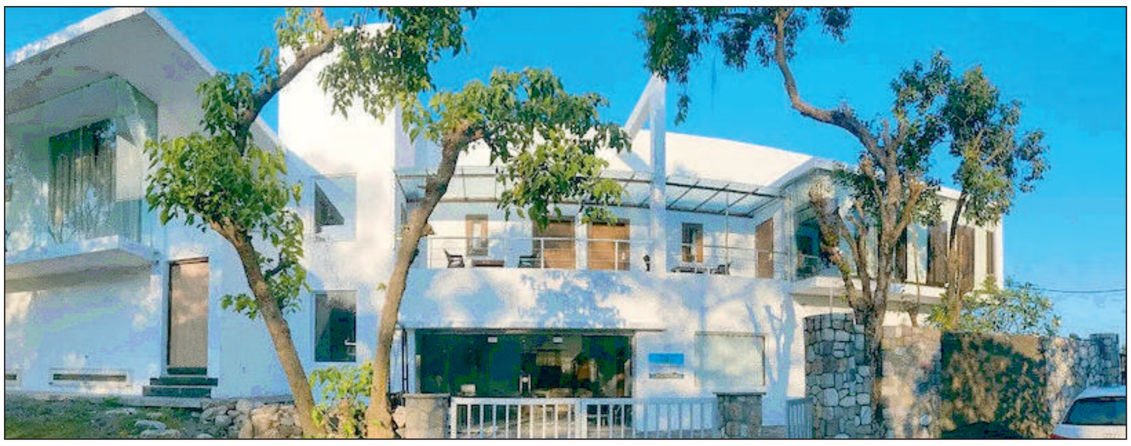

अंकिता भंडारी की हत्या से सुर्खियों में आए वनंत्रा रेजॉर्ट (Vanantra Resort) के पूर्व कर्मचारियों अब सामने आ रहे हैं। उन्हें भी आत्मा कचोट रही होगी तभी तो अब बेशर्म रैशज़ादों की करतूत खुलने लगी है। इन्साफ का भी यही तकाजा है कि उस हत्यारे रेजॉर्ट की पोल खुलनी ही चाहिए। दो महीने पहले रेजॉर्ट का काम छोड़कर गए मेरठ निवासी विवेक और इशिता ने आरोप लगाया कि रेजॉर्ट मालिक पुलकित आर्य महिला कर्मचारियों पर बुरी नजर रखता था। सैलरी मांगने पर मारपीट और चोरी जैसे आरोप लगाकर नौकरी से निकाल देता था।

दंपती ने बताया कि रेजॉर्ट में बाहर से लड़कियां बुलाई जाती थीं, लेकिन उनकी एंट्री दर्ज नहीं होती थी। इन लड़कियों को ग्राहकों के कमरे में भेजा जाता था। खास ग्राहकों की भी रजिस्टर में एंट्री नहीं होती थी। बिना लाइसेंस के शराब स्टॉक कर ग्राहकों को दोगुने दाम पर बेचना भी आम था। ग्राहकों को चरस, स्मैक, गांजे की भी सप्लाई होती थी इशिता ने बताया कि रेजॉर्ट के कर्मचारियों को पुलकित कहता था कि उसे इशिता पसंद है। एक कर्मचारी ने मुझे यह बताया था। पुलकित मुझे पति विवेक से अलग करना चाहता था। इलाके का पटवारी भी पुलकित से मिला था। एकबार किसी ग्राहक का ब्लूटूथ स्पीकर छूट गया तो पति ने यह सोचकर उसे रख लिया कि ग्राहक के आने पर लौटा देंगे।

लेकिन पुलकित ने चोरी का झूठा आरोप लगा दिया। वनतारा रिसॉर्ट में काम करने वाली पूर्व महिला कर्मचारी ने रिजॉर्ट को लेकर के कई बड़े खुलासे किए हैं. उसने बताया कि मैंने मई में ऋषिकेश के वनतारा रिसॉर्ट में काम शुरू किया था. लेकिन जुलाई में वहां से नौकरी छोड़ दी थी. वहां अंकित गुप्ता और पुलकित आर्य लड़कियों के साथ दुर्व्यवहार करने के साथ ही गंदी गालियां देते थे. वो घिनौनी हरकत करने की कोशिश करता था. रिसॉर्ट में कई बड़े नेता आते थे, जिनको पुलकित आर्या वीआईपी गेस्ट बताकर बिना एंट्री किए रिजॉर्ट में रखता था.

उत्तराखंड में 19 साल की अंकिता भंडारी की हत्या को लेकर रिसॉर्ट में काम कर चुकी पूर्व महिला कर्मचारी ने बड़ा खुलासा किया है।

उसका कहना है कि रिसॉर्ट का मालिक पुलकित आर्य और अंकित गुप्ता लड़कियों से बदसलूकी करते थे। पूर्व कर्मचारी ने कहा, 'मैंने वनंतरा रिसॉर्ट मई में जॉइन किया था, लेकिन जुलाई में नौकरी छोड़ दी थी। पुलकित आर्य और अंकित गुप्ता लड़कियों से बदसलूकी करते थे और उन्हें अपशब्द कहते थे। वे रिसॉर्ट में लड़कियां लाते थे, वहां VIP भी आते थे।' फिलहाल प्रदेश की गुस्से आम जनता को एसआईटी की जाँच का इंतज़ार है जिसमें कई बड़े राज़ फर्श हो सकते हैं।

अंतरराष्ट्रीय अग्र परिवार की शुरुआत उत्तराखंड देहरादून में

महविश की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 28 सितम्बर अग्रसेन जयंती शुरुआत 40 महिलाओ से हुई। कार्यक्रम की शुरुआत अग्रवाल धर्मशाला में महाराजा अग्रसेन जी के सामने दीप प्रज्ज्वलित कर की गई। मुख्य अतिथि क्षमा बंसल एवम मीनाक्षी अग्रवाल का माला पहनकर एवम् पौधा देकर स्वागत किया गया। महाराजा अग्रसेन जी को माला अर्पण कर, उनकी आरती की गई।

महानगर अध्यक्ष राखी अग्रवाल ने सभी का शब्दों से स्वागत किया। सभी का परस्पर परिचय हुआ। मीरा गुप्ता एवम् अर्चना सिंघल जी ने महाराजा अग्रसेन जी के जीवन के बारे में बताया। राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ रमा गोयल ने सबको मिलकर महाराज अग्रसेन जी के विचारो के अनुकूल कार्य करने की बात की। सभी के प्रसाद ग्रहण करने के बाद कार्यक्रम का समापन हुआ। इस कार्यक्रम में कल्पना अग्रवाल, चारु गोयल, रुचि गुप्ता, मीरा गुप्ता, सिन्धु गुप्ता,अंकिता मित्तल, प्रीती गुप्ता, कविता अग्रवाल, अर्चना सिंघल, सोनिया अग्रवाल, सीमा अग्रवाल, सीमा

सिंघल, रीता अग्रवाल, गीतिका, सरिता रानी, मोनिका अग्रवाल, सारिका गर्ग, शोभा गर्ग, बबीता गर्ग, मंजू सिंघल, वंदना गुप्ता, याशिका गुप्ता, नीरू गुप्ता, रचना गुप्ता आदि सदस्य उपस्थित थे।

महाराज की मेहनत लाई रंग, बेस्ट डेस्टिनेशन बना उत्तराखंड

उत्तराखंड को मिला बेस्ट टूरिज्म डेस्टिनेशन अवार्ड

- पर्यटन के सर्वांगीण विकास के लिए भी प्रदेश को प्रथम पुरस्कार
- उपराष्ट्रपति के हाथों लिया सतपाल महाराज ने अवार्ड

आशीष तिवारी की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

नई दिल्ली/देहरादून,28 सितम्बर , विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर उत्तराखंड राज्य को पर्यटन मंत्रालय भारत सरकार द्वारा बेस्ट एडवेंचर टूरिज्म डेस्टिनेशन और पर्यटन के सर्वांगीण विकास के लिए प्रथम पुरस्कार मिला है। प्रदेश के पर्यटन व संस्कृति मंत्री सतपाल महाराज ने नई दिल्ली में एक कार्यक्रम के दौरान उपराष्ट्रपति जगदीप धनकड़ से यह पुरस्कार प्राप्त किया। कार्यक्रम में केंद्रीय पर्यटन मंत्री जी किशन रेड्डी और रक्षा राज्य मंत्री अजय भट्ट भी उपस्थित थे।

विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर उत्तराखंड राज्य को पर्यटन मंत्रालय भारत सरकार द्वारा बेस्ट एडवेंचर टूरिज्म डेस्टिनेशन और पर्यटन के सर्वांगीण विकास के लिए प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ है। प्रदेश के पर्यटन व संस्कृति मंत्री सतपाल महाराज ने नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान उपराष्ट्रपति जगदीप धनकड़ से यह पुरस्कार प्राप्त किया। उत्तराखंड पुरस्कार मिलने पर उन्होंने समस्त प्रदेशवासियों और पर्यटन उद्योग से जुड़े लोगों को इसके लिए बधाई दी है।

महाराज ने कहा कि यह सम्मान मिलना उत्तराखंड के लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड राज्य देश-विदेश के सैलानियों को प्रदेश में आने का निमंत्रण देता है जहां पर्यटन की सभी श्रेणियों में हर प्रकार की सुविधाएं और अवसर उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा कि मंगलवार से ही उत्तराखंड के मसूरी में हेलीकॉप्टर के माध्यम से हिमालय दर्शन की सेवा का भी शुभारंभ किया गया है। प्रदेश के पर्यटन मंत्री ने कहा "पर्यटन विभाग उत्तराखंड में पर्यटकों को आकर्षित करने वाली कई परियोजनाओं पर काम कर रहा है।

उन्होंने कहा कि उत्तराखंड को मिले दोनों पुरस्कार यह सिद्ध करते हैं कि प्रदेश को लेकर पर्यटकों के बीच लोकप्रियता निरंतर बढ़ रही है।उन्होने कहा कि हिमालय दर्शन सेवा शुरू होने से प्रदेश में पर्यटकों की संख्या में और बढ़ोत्तरी होगी। पर्यटक जॉर्ज एवरेस्ट से हेलीकॉप्टर के माध्यम से हिमालय की ऊंची ऊंची चोटियों और उत्तराखंड के अलौकिक नैसर्गिक सौंदर्य का आनंद ले सकेंगे।

नए कदमों की जानकारी देते हुए महाराज ने कहा पर्यटकों की बढ़ती हुई रूचि को देखते हुए पर्यटन विभाग ने विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर एक बहुत ही आकर्षक फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी कॉन्टेस्ट का भी शुभारंभ किया है। इसके अंतर्गत पांच विभिन्न श्रेणियों में फोटो एवं वीडियो ऑनलाइन आमंत्रित किए जा रहे हैं। इस कॉन्टेस्ट के माध्यम से पर्यटन प्रेमियों को 25 लाख रुपए से भी अधिक के पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे।" हैवीवेट महाराज ने बताया "उत्तराखंड पर्यटन द्वारा देशभर के ट्रैवल इनफ्लुएंसर के लिए भी एक आकर्षक योजना लांच की गई है जिसके अंतर्गत अंग्रेजी ही नहीं अपितु क्षेत्रीय भाषाओं में वीडियो बनाने वाले ट्रैवल इनफ्लुएंसर का इंपैनलमेंट पर्यटन विभाग में किया जाएगा। इसके पश्चात उन्हें उत्तराखंड में विभिन्न स्थानों पर परिचयात्मक भ्रमण अर्थात फैमिलियराइजेशन टूर आयोजित करवाए जाएंगे, जो उत्तराखंड सरकार द्वारा प्रायोजित होंगे। पर्यटन मंत्री महाराज ने कहा कि हमारी योजना है कि ट्रैवल और टूरिज्म क्षेत्र के इनफ्लुएंसर्स के माध्यम से उत्तराखंड की प्राकृतिक सुंदरता, यहां की लोक कलाएं, यहां की ग्रामीण संस्कृति, यहां की एडवेंचरस भू-पारिस्थितिकी, होमस्टे, अद्वितीय आध्यात्मिक अनुभव और पौष्टिक व्यंजन देश के कोने-कोने तक पहुंचें। उन्होंने"प्रदेश में शीतकालीन पर्यटन को प्रोत्साहन देने के लिए इस बार कई कार्यक्रमों का आयोजन किये जाने की बात भी कही। इनमें अक्टूबर 2022 से जनवरी 2023 तक होने वाला ट्रैक ऑफ द ईयर-पिंडारी ग्लेशियर और बागची बुग्याल, मसूरी व नैनीताल में दिसंबर 2022 में आयोजित होने वाला विंटरलाइन कार्निवाल, दिसंबर 2022 से जनवरी 2023 तक चंपावत में राफ्टिंग चैंपियनशिप, फरवरी 2023 में औली में आयोजित होने वाली नेशनल स्कीईंग चैंपियनशिप और मार्च 2023 में ऋषिकेश में होने वाला अंतरराष्ट्रीय योग महोत्सव जैसे आयोजन शामिल हैं।"इस मौके पर प्रदेश के सचिव पर्यटन सचिन कुर्वे सहित पर्यटन विभाग के अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

स्टडी टूर पर जर्मनी में विभिन्न प्रोजेक्ट का भौतिक अध्ययन किया : डा. प्रेमचंद अग्रवाल

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 28 सितंबर , कैबिनेट मंत्री डा. प्रेमचंद अग्रवाल ने कार्यकर्ताओं को जर्मनी स्टडी टूर की जानकारियां साझा कीं। उन्होंने कहा कि इस स्टडी टूर का लाभ निश्चित रूप से उत्तराखंड में भी देखने को मिलेगा। वहां ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की व्यवस्था को उत्तराखंड में लागू करने का प्रयास करेंगे। इस दौरान अंकिता भंडारी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि भी अर्पित की गई। 2 मिनट का मौन रखा गया।मंत्री डा. अग्रवाल जी ने बताया कि जर्मनी में कूड़ा प्रबंधन के क्षेत्र में सराहनीय कार्य किया जा रहा है। उत्तराखंड के हरिद्वार और ऋषिकेश नगर निगम क्षेत्र में जीआईजेड कंपनी भी जर्मनी की ही तर्ज पर कार्य कर रही है। डा. अग्रवाल ने बताया कि जीआईजेड कंपनी के ही निमंत्रण और उनके ही खर्चे पर वह और विभागीय अधिकारी स्टडी टूर पर गये थे। बताया कि जर्मनी में स्टडी टूर के दौरान पाया कि कूड़ा एकत्र कर अच्छा मैनेजमेंट किया जाता है। वहां अलग-अलग कूड़े को उपयोग में लाया जाता है और उससे आमदनी की जाती है। डा. अग्रवाल ने बताया कि वहां कूड़ा को बहुत बारिक कर उससे बिजली पैदा की जाती है। उस बिजली का उपयोग अपने शहर सहित आसपास के क्षेत्रों में किया जाता है। डा. अग्रवाल ने बताया कि जिस वस्तु को हमारे यहां खराब समझा जाता है, वहीं, खराब वस्तु से जर्मनी में कमाई की जाती है।

डा. अग्रवाल ने बताया कि जर्मनी के फ्रैंकफर्ट शहर में 18 वर्षों से जमे कूड़े के पहाड़ से गैस बनाई गई है। यही नहीं, कूड़े के पहाड़ वाली जगह पर हरियाली भी पैदा की गई है। इसके अलावा बर्फीली वादियों में होने के साथ ही वहां स्कीइंग भी की जाती है। इससे पर्यटन को भी इजाफा मिल रहा है।डा. अग्रवाल ने बताया कि पांच दिवसीय स्टडी टूर पर जर्मनी में विभिन्न प्रोजेक्ट का भौतिक अध्ययन किया और वहां प्रोफेसर्स से मुलाकात कर ठोस अपशिष्ट प्रबंधन पर जर्मनी की कार्यप्रणाली से भी रूबरू हुए।डा. अग्रवाल ने बताया कि जर्मनी जाकर वहां बारिकी से ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के विषय में जानकारियां प्राप्त हुई है। कहा कि इस स्टडी टूर से मिली जानकारियां के साथ उत्तराखंड में भी कार्य करने का प्रयास करेंगे। इस मौके पर अंकिता भंडारी को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए 2 मिनट का मौन धारण किया गया।

एफआरआई में वुड सीज़निंग पर प्रशिक्षण आयोजित

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 28 सितम्बर ,वन अनुसंधान संस्थान (एफ़ आर आई), देहरादून वुड सीज़निंग शाखा, वन उत्पाद प्रभाग के सहयोग से कैम्पा एक्सटेंशन द्वारा समथिर्त 27 से 29 सितंबर, 2022 तक वुड सीज़निंग पर प्रशिक्षण आयोजित कर रहा है। प्रशिक्षण का उद्घाटन डॉ. रेनू सिंह, आईएफएस, निदेशक, एफआरआई द्वारा किया गया।

डॉ. रेनू सिंह ने अपने संबोधन में वुड सीज़निंग के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि संस्थान की वुड सीजनिंग शाखा वुड सीजनिंग का एक गौरवशाली इतिहास है। इसकी शुरुआत साल 1914 में हुई। सन 1922 में चंडीगढ़ में पहली सीज़निंग भट्टी स्थापित की गई थी। तब से एफआरआई ने 200 से अधिक लकड़ियों की सीज़निंग विशेषताओं का अध्ययन किया है। वतर्मान में संस्थान विभिन्न प्रकार काष्ठ शुष्कन भट्टियों पर काम कर रहा है जिसमें सौर भट्टियां, निराद्रीर्करण भट्टी, वैक्यूम भट्टी, विद्युत गमर् भट्टी, सौर वैक्यूम, माइक्रोवेव वैक्यूम भट्टी आदि शामिल हैं। उन्होंने समग्र लकड़ी के उत्पादों और संस्थान द्वारा किए जा रहे शोध की भी सराहना की। उन्होने आशा व्यक्त की कि प्रतिभागी इन तकनीकियों के बारे में जानकर निश्चित तौर पर लाभान्वित होंगे।प्रशिक्षण में गांधीधाम, भावनगर, पुणे, हैदराबाद, विशाखापट्नम, कोट्टायम और यमुनानगर के लकड़ी आधारित उद्योगों से संबन्धित प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। इसमें वुड सीज़निंग और इसके महत्व, वुड सीज़निंग की माप, विभिन्न प्रकार की भट्टियों व अन्य तरीकों से लकड़ी को सुखाने की लागत विश्लेषण पर सैद्धांतिक इनपुट होंगे। इन पहलुओं पर कई प्रयोगात्मक सत्र भी आयोजित किए जाएंगे। उद्घाटन सत्र का समापन डॉ. चरण सिंह, वरिष्ठ वैज्ञानिक द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ।

डेवलपमेंट ऑफ बेस्ट इन क्लास ट्रांसपोर्ट के लिए दून पहुंचे ADB के अफसर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 28 सितम्बर ,एक्सटर्नली एडिट प्रोजेक्ट (EAP) के तहत देहरादून शहर में विकसित होने डेवलपमेंट ऑफ बेस्ट इन क्लास ट्रांसपोर्ट (रोड एंड पब्लिक ट्रांसपोर्ट) इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट के कार्यवन एवं साध्यता के लिए ADB (Asian Development Bank) के अधिकारी कौशल कुमार साहू - सीनियर प्रोजेक्ट ऑफिसर , आलोक भारद्वाज- कंसलटेंट, एवं Rocio Vico Talleoo- ट्रांसपोर्ट स्पेशलिस्ट) ए.डी.बी. मिशन हेतु देहरादून पहुंचे है।ए.डी.बी के अधिकारीगण प्रोजेक्ट से जुड़े बिंदुओं पर चर्चा हेतु देहरादून जिलाधिकारी एवं देहरादून स्मार्ट सिटी तथा उत्तराखंड मेट्रो रेल कॉरपोरेशन के उच्च अधिकारियों से प्रोजेक्ट पर विचार-विमर्श हेतु विस्तार में चर्चा की तथा बैठक में सामने आए बिंदुओं पर अपना पूर्ण समर्थन जताते हुए प्रोजेक्ट की सफलता हेतु अपना पूरा समर्थन देने का आश्वासन दिया।इस मौके पर जिलाधिकारी देहरादून ने कहा कि एडीबी, भारत सरकार एवं उत्तराखंड राज्य सरकार के सहयोग से शीघ्र ही डेवलपमेंट ऑफ बेस्ट इन क्लास ट्रांसपोर्ट (रोड एंड पब्लिक ट्रांसपोर्ट) इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट का कार्य धरातल पर शुरू कर दिया जाएगा ताकि देहरादून की जनता को सहूलियत प्रदान की जा सके।डेवलपमेंट ऑफ बेस्ट इन क्लास ट्रांसपोर्ट (रोड एंड पब्लिक ट्रांसपोर्ट) इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट के तहत देहरादून एवं मसूरी में कुल 61.1 किलोमीटर रोड (चकराता रोड, शिमला बायपास- प्रेम नगर, हरिद्वार बायपास, हरिद्वार रोड, रिंग रोड, रायपुर रोड, कृषाली चौक-साईं मंदिर, मसूरी रोड, राजपुर रोड, सहारनपुर रोड, एवं माल रोड-मसूरी) पर स्मार्ट रोड, फुटपाथ, मल्टी यूटिलिटी डक्ट बैंक , सीवर लाइन, वाटर सप्लाई, स्टॉर्म वॉटर ड्रेनेज, स्मार्ट स्ट्रीट लाइटिंग सिस्टम, स्ट्रीट फर्नीचर, मल्टी लेवल कार पार्किंग व अन्य संबंधित कार्य किए जाएंगे तथा 100 नई इलेक्ट्रिक बसों को भी धरातल पर उतारा जाएगा। इस पूरे प्रोजेक्ट की कुल लागत तकरीबन 1750 करोड़ है जिसे एडीबी (एशियन डेवलपमेंट बैंक) तथा एआईआईबी (एशियन इन्फ्राट्रक्चर इन्वेस्टमेंट बैंक) द्वारा 2 चरणों में फंड किया जाएगा।इस मौके पर देहरादून स्मार्ट सिटी के एसीईओ- श्याम सिंह राणा, फाइनेंस कंट्रोलर- डॉ0 तंजीम अली, चीफ जनरल मैनेजर - पदम कुमार, EAP कोऑर्डिनेटर - सुमंता शर्मा, नेहा डोभाल, डीजीएम उत्तराखंड मेट्रो रेल कॉरपोरेशन- ए के भट्ट, श्री हरिहरन -अर्बन प्लानर, श्रीधरा -रोड एक्सपोर्ट

केंद्रीय पर्यटनमंत्री से मिले सीएम धामी योजनाओं की स्वीकृति का किया अनुरोध

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

नई दिल्ली , 28 सितम्बर,मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नई दिल्ली में केन्द्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जी. किशन रेड्डी से भेंट की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने केन्द्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री से मिनी प्रसाद योजना एवं ''स्वदेश दर्शन 2.0'' के अन्तर्गत विभिन्न प्रस्तावों की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने मिनी प्रसाद योजना के अन्तर्गत प्रथम चरण में 07 प्रस्तावों एवं ''स्वदेश दर्शन 2.0'' के अन्तर्गत जनपद पिथौरागढ़ के आदि कैलाश, गुंजी, दत्तु तथा मुनस्यारी, जनपद चम्पावत के अन्तर्गत चम्पावत तथा चुखा, जनपद उत्तरकाशी के जादौंग, जनपद पौड़ी गढ़वाल में कण्वआश्रम की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करने का अनुरोध किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड राज्य पर्यटन प्रदेश के रूप में विकसित किये जाने हेतु राज्य सरकार प्रयत्नशील है। उन्होंने कहा कि मिनी प्रसाद योजना के अन्तर्गत जनपद अल्मोडा दूनागिरी (लागत 3.35 करोड़), जनपद चम्पावत गोरखनाथ मन्दिर (लागत 2.15 करोड़), जनपद पिथौरागढ़ श्री 1008 बालेश्वर महादेव प्राचीन शिव मन्दिर समूह थल (लागत 2.00 करोड़), जनपद पिथौरागढ पाताल भुवनेश्वर मन्दिर गंगोलीहाट (लागत 1.20 करोड़), जनपद चम्पावत बालेश्वर मन्दिर (लागत 1.41 करोड़), जनपद नैनीताल कैंचीधाम (लागत 4.98 करोड़), जनपद चमोली टिमरसैंण (लागत 4.10 करोड़) का प्रस्ताव केन्द्र सरकार को भेजा गया है। स्वदेश दर्शन योजना 2.0 के अन्तर्गत जनपद पिथौरागढ के आदि कैलाश, गुजी, दत्तु तथा मुनस्यारी जनपद चम्पावत के अन्तर्गत चम्पावत तथा चुखा, जनपद उत्तरकाशी के जादौंग जनपद पौडी गढवाल में कण्वआश्रम के लिए प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति होनी है। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री से उक्त प्रस्तावों की स्वीकृति प्रदान करने का अनुरोध किया।

इस अवसर पर सचिव आर. मीनाक्षी सुन्दरम तथा सचिन कुर्वे भी उपस्थित थे।

पर्यटन के क्षेत्र में राज्य को मिले सम्मान पर मुख्यमंत्री ने दी प्रदेशवासियों को शुभकामना

पुरस्कारों को बताया राज्य के पर्यटन विकास के लिये शुभ संकेत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 28 सितम्बर , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नई दिल्ली में विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर उत्तराखंड को बेस्ट एडवेंचर टूरिज्म डेस्टिनेशन एवार्ड तथा पर्यटन के सर्वांगीण विकास के लिए प्रथम पुरस्कार प्रदान किये जाने पर प्रदेशवासियों को शुभकामना दी है। मुख्यमंत्री ने इसे प्रदेश के पर्यटन को बढ़ावा देने वाला बताते हुए कहा कि इससे उत्तराखंड के नैसर्गिक प्राकृतिक सौंदर्य एवं पर्यटन क्षेत्रों को देश व दुनिया में पहचान मिलेगी। उन्होंने कहा कि विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर राज्य के पर्यटन को यह एक सौगात है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश का नैसर्गिक प्राकृतिक सौन्दर्य पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र रहा है। साहसिक पर्यटन के दृष्टिगत माउंटेनियरिंग, रिवर राफ्टिंग, ट्रैकिंग, कैम्पिंग, पैराग्लाईडिंग, माउंटेन बाईकिंग आदि गतिविधियों का भी राज्य में काफी विस्तार हुआ है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में चारधाम कॉरिडोर की तर्ज पर कुमाऊं क्षेत्र में मानस खंड कॉरिडोर बनाने के लिये भी प्रयासरत है। इससे जहां एक ओर क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, वहीं दूसरी ओर पूरे कुमाऊं के आधारभूत ढ़ांचे को भी मजबूती मिलेगी।

मसूरी के जॉर्ज एवरेस्ट शुरू हुई हिमालय दर्शन सेवा

विश्व पर्यटन दिवस के मौके पर हिमालय दर्शन सेवा का किया शुभारंभ

फ़िरोज आलम की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून/मसूरी , 28 सितम्बर, विश्व प्रसिद्ध हिल स्टेशन मसूरी के जॉर्ज एवरेस्ट से अब पर्यटक हेलीकॉप्टर के माध्यम से हिमालय के दर्शन भी कर सकेंगे। इस संबंध में पर्यटन विभाग की ओर से विश्व पर्यटन दिवस के मौके पर हिमालय दर्शन सेवा का शुभारंभ किया गया। उत्तराखंड आने वाले देश-विदेश के पर्यटकों के लिए मसूरी पहली पसंद है। इसको ध्यान में रखते हुए उत्तराखंड पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए यहां से हिमालय दर्शन सेवा शुरू की गई है। अब सामान्य पर्यटक भी जॉर्ज एवरेस्ट जाकर इस सेवा का लाभ उठा सकेंगे। इससे पहले गढ़ी कैंट स्थित उत्तराखंड पर्यटन विकास परिषद (यूटीडीबी) से जॉर्ज एवरेस्ट के बीच माउंटेन बाइकिंग एक्सपीडिशन का आयोजन किया गया। साथ ही पर्यटन विभाग के माध्यम से डेस्टिनेशन टूरिस्ट गाइड

कार्यक्रम का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे अभ्यर्थियों द्वारा हेरिटेज वॉक किया गया।वहीं इस मौके पर क्रॉसविंड सॉल्यूशंस द्वारा एरोमॉडलिंग का प्रदर्शन भी किया गया। बीएसएफ (बीआईएएटी) डोईवाला द्वारा पैरामोटर एकल ट्राइक प्रदर्शन और हेलीकॉप्टर एयर सफारी का प्रदर्शन किया गया। इसके अतिरिक्त पर्यटन विभाग तथा सीमा सशस्त्र बल के सौजन्य से विभिन्न एरो स्पोर्ट्स गतिविधियों का भी लाइव प्रदर्शन किया गया। इस मौके पर यूटीडीबी के अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी सी रविशंकर, अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी (साहसिक विंग) कर्नल अश्विनी पुण्डीर, अपर निदेशक विवेक सिंह चौहान, थल क्रीड़ा स्पोर्ट्स विशेषज्ञ रणबीर सिंह नेगी, मसूरी के एसडीएम नरेश चंद्र दुर्गपाल समेत विभाग के अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

मंत्री गणेश जोशी ने 12वीं की छात्रा अंकिता मिश्रा को साइकल की भेंट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 28 सितम्बर ,कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने देहरादून की 12वीं की छात्रा अंकिता मिश्रा को साइकल उपहार स्वरूप भेंट किया। गोरतबल है कि अंकिता मिश्रा राष्ट्रीय स्तर पर 3 बार हॉकी खेल चुकी है हाल ही में करनाल हरियाणा में आयोजित नॉर्थ जोन में 1500 मीटर में प्रथम स्थान अंकिता ने हासिल किया है। वही दूसरी ओर मध्यप्रदेश में यूथ नेशनल में अंकिता की 6 वीं रैंक हासिल की। मंत्री जोशी ने कहा कि ऐसे प्रतिभावान बच्चों को हमेशा प्रोत्साहित करना चाहिए आज बेटियां हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं। मंत्री जोशी ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री लगातार खेलों को बढ़ावा देने और खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए निरंतर कार्य कर रहे है। वहीं प्रदेश में भी खेलों को बढ़ावा देने और खिलाड़ियों को सशक्त करने की दिशा में प्रदेश सरकार द्वार कई कार्य किए जा रहे है। इसके साथ ही मंत्री जोशी ने अंकिता को भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर अंकिता के शिक्षक बृजेश नेगी भी उपस्थित रहे।

संपादकीय

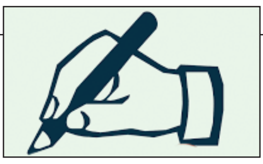

गहलोत बनाम गांधी परिवार

कहां तो अशोक गहलोत गांधी परिवार के 'छाया उम्मीदवार' के तौर पर कांग्रेस अध्यक्ष बनने चले थे और कहां एक ही दिन में खलनायक, बग़ावती, विद्रोही बनकर सामने आए हैं। कांग्रेस आलाकमान की प्रतिष्ठा और उसके इकबाल की धज्जियां उड़ा दी गई हैं। पार्टी नेतृत्व की नाक में दम कर दिया गया है। पार्टी के भीतरी लोकतंत्र का मज़ाक उड़ाया जा रहा है। बेशक कोई स्वीकार करे अथवा न करे, गहलोत ने परोक्ष रूप से और उनके समर्थक विधायकों ने साफ तौर पर गांधी परिवार, यानी आलाकमान, को ठेंगा दिखा दिया है। कांग्रेस के भीतर यह अपने किस्म की अभूतपूर्व घटना है। राजस्थान के विधायकों ने कांग्रेस नेतृत्व के पर्यवेक्षकों-मल्लिकार्जुन खडग़े और अजय माकन-से मिलना भी जरूरी नहीं समझा। खाली हाथ लौटे पर्यवेक्षकों ने कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी को विस्तार से खुलासा भी कर दिया और लिखित रपट भी सौंप दी, लेकिन कांग्रेस आलाकमान चुप है। सवाल नेतृत्व के अपमान और उसे खुली चुनौती देने का था, फिर भी गहलोत को अध्यक्ष पद के चुनाव के अयोग्य घोषित नहीं किया गया। अलबत्ता खडग़े, मुकुल वासनिक, दिग्विजय सिंह और केसी वेणुगोपाल आदि के नए नाम सामने आए हैं कि अध्यक्ष पद की रेस में वे भी शामिल हैं। उन्हें भी गांधी परिवार का 'वफादार' आंका जा रहा है। गहलोत भी पुराने वफादार माने जाते थे, लेकिन वह मुख्यमंत्री की कुर्सी से चिपके रहना चाहते हैं। बहरहाल 30 सितंबर तक इंतज़ार करना पड़ेगा कि कांग्रेस अध्यक्ष के दावेदार कौन हैं? यदि यह इंदिरा गांधी और राजीव गांधी का दौर होता, तो अशोक गहलोत के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा चुकी होती! दरअसल मोदी कालखंड के दौरान कांग्रेस लगातार कमज़ोर हुई है। बल्कि टूटती और बिखरती रही है। उसके कई बड़े नेता पार्टी छोड़ कर भाजपा में शामिल हो रहे हैं। गुलाम नबी आज़ाद ने तो अपनी पार्टी की घोषणा भी कर दी है-डेमोक्रेटिक आजाद पार्टी। राजस्थान के संदर्भ में भी कोई बड़ा विवाद नहीं था। गहलोत को कांग्रेस अध्यक्ष का चुनाव लडने के मद्देनजर मुख्यमंत्री पद छोडना था। गहलोत की इच्छा थी कि सचिन पायलट के अलावा किसी भी विधायक को मुख्यमंत्री बना दिया जाए। पायलट खेमे पर 2020 में बग़ावत करने और सरकार गिराने की कोशिश करने के आरोप चस्पा हैं। गहलोत उन्हें सार्वजनिक तौर पर निकम्मा, नकारा और धोखेबाज कहते रहे हैं। कांग्रेस आलाकमान इस बार पायलट को मुख्यमंत्री बनाने और उनके नेतृत्व में ही 2023 में विधानसभा चुनाव लडने का प्रयोग करने के पक्ष में लग रहा था। गहलोत समर्थक 90 से ज्यादा विधायकों की शर्तनुमा मांग थी कि 19 अक्तूबर के बाद ही नया कांग्रेस अध्यक्ष नया मुख्यमंत्री तय करे। विधायक वन-टू-वन की जगह समूह में ही केंद्रीय पर्यवेक्षकों से मुलाकात और बात करने के पक्षधर थे। विरोधाभास, हितों के टकराव, विधायकों की शर्तों और समानांतर विधायक दल की बैठक को पर्यवेक्षकों ने 'अनुशासनहीनता' करार दिया, नतीजतन पूरे प्रकरण को गहलोत की बग़ावत माना गया। अब गहलोत बनाम पायलट नहीं, बल्कि गहलोत बनाम गांधी परिवार की स्थिति है। कांग्रेस आलाकमान के सामने क्या विकल्प हैं?

क्या बिना सर्जरी के घुटने के पुराने ऑस्टियोआर्थराइटिस का इलाज किया जा सकता है?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

घुटने के पुराने ऑस्टियोआर्थराइटिस या घुटने के जोड़ों का दर्द एक गैर-भड़काऊ, अपक्षयी संयुक्त रोग है जो आर्टिकुलर कार्टिलेज के प्रगतिशील नुकसान का कारण बनता है। कार्टिलेज एक मजबूत, लचीला ऊतक है जो हड्डियों को एक दूसरे के खिलाफ रगड़ने से रोककर चोट से बचने में मदद करता है। एक दूसरे के खिलाफ रगड़ें, इससे घुटने के पुराने ऑस्टियोआर्थराइटिस हो सकते हैं। यह वृद्ध वयस्कों में घुटने के दर्द और विकलांगता के सबसे आम कारणों में से एक है।

जोखिम में कौन है?

घुटने के पुराने ऑस्टियोआर्थराइटिस ₹पुरुषों की तुलना में महिलाओंर में अधिक आम है। ₹कुछ अन्य कारक जो घुटने की स्थिति में योगदान कर सकते हैं, उनमें उन्नत आयु, अधिक वजन या मोटापा होना, घुटने की पिछली चोट या सर्जरी, और कुछ ऐसे काम शामिल हैं जिनमें लगातार घुटने के झुकने की आवश्यकता होती है,₹ उन्होंने साझा किया।

घुटने के पुराने ऑस्टियोआर्थराइटिस का प्राथमिक लक्षण दर्द है। दर्द के अलावा, रोगियों में सूजन, घुटने में अकड़न, कार्य को सीमित करने वाली घुटने की परेशानी, लचीलेपन की कमी, आराम करते समय या रात में दर्द, घुटने को हिलाने के दौरान चटकने या पीसने का शोर और चलने की दूरी पर प्रभाव पड़ सकता है।

घुटने के पुराने ऑस्टियोआर्थराइटिस का निदान कैसे किया जाता है?

एक संपूर्ण चिकित्सा इतिहास और शारीरिक परीक्षण के अलावा, रोगियों को आगे के परीक्षणों की आवश्यकता हो सकती है जैसेः

*रक्त परीक्षण *एक्स-रे *आर्थ्रोसेंटेसिसः गठिया के कारण को निर्धारित करने के लिए श्लेष द्रव प्राप्त करने के लिए एक बाँझ सुई का उपयोग करके की जाने वाली एक नैदानिक प्रक्रिया।

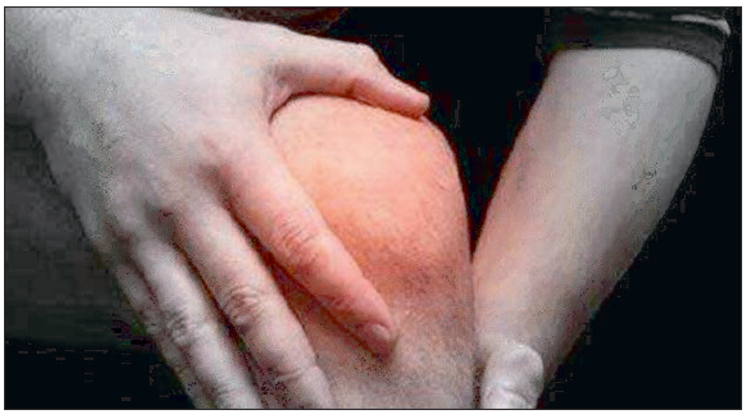

*आर्थ्रोस्कोपीः एक शल्य चिकित्सा पद्धति जहां पीड़ित जोड़ में एक कैमरा डाला जाता है ताकि OA के कारण जोड़ में हुई गिरावट का दृश्य डेटा प्राप्त किया जा सके।एमआरआई (चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग)

क्या इसे बिना सर्जरी के मैनेज किया जा सकता है?

घुटने के पुराने ऑस्टियोआर्थराइटिस से पीड़ित ज्यादातर लोगों को डर है कि दर्द और परेशानी से राहत पाने के लिए उन्हें सर्जरी करानी पड़ सकती है। हालांकि, कई दर्द प्रबंधन विकल्प हैं जो दर्द से राहत दिलाने में मदद कर सकते हैं। लूंबा के अनुसार, स्थिति के प्रबंधन के लिए विभिन्न रणनीतियों में शामिल हैंः

गैर औषधीय

पैदल चलना, साइकिल चलाना, आइसोमेट्रिक और आइसोटोनिक घुटने के व्यायाम जैसे व्यायाम करें।वजन में कमीः वजन में थोड़ी सी भी कमी, 2-5 किग्रा, घुटने के जोड़ के दर्द और अधः पतन को कम करने में मदद करेगी।जलीय (जल आधारित) उपचार।

'मृत्यु प्रमाण पत्र' खो जाने का अखबार का विज्ञापन हुआ वायरल, वर्तनी की गलती है या ध्यान आकर्षित करने की कला

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हाल ही में सोशल मीडिया में एक पोस्ट काफी वायरल होता दिखाई दे रहा है। आपको बता दे एक व्यक्ति ने अपने खोए हुए मृत्यु प्रमाण पत्र की मांग करते हुए एक समाचार पत्र में एक विज्ञापन पोस्ट किया। जी हाँ मृत्यु प्रमाण पत्र, व्यक्ति ने अपने खोए हुए मृत्यु प्रमाण पत्र की ही मांग की है। पोस्ट वायरल होते ही इंटरनेट उपयोगकर्ता अपनी हंसी नहीं रोक पा रहे है।

भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी रूपिन शर्मा द्वारा साझा किए गए खोए हुए विज्ञापन को कैप्शन दिया गया था, ₹यह केवल #भारत में होता है।₹ विज्ञापन में उस समय और स्थान के बारे में बताया गया है जहां मृत्यु प्रमाण पत्र खो गया था और अन्य विवरणों के साथ पंजीकरण संख्या भी बताई गई थी।₹मैंने लुमडिंग बाजार में अपना मृत्यु प्रमाण पत्र दिनांक 07/09/22 सुबह के समय लगभग 10.00 पूर्वाह्न के पास खो दिया है पंजीकरण संख्याः 93/18 एसएल संख्याः 0068132 रंजीत कुमार चक्रवर्ती पुत्र सुधांगसु बिमल चक्रवर्ती सिमुलतला (हरलंगफर) पीओ / पीएसः लुमडिंग जिलाः होजई असम, ''विज्ञापन पढ़ें।टिप्पणी अनुभाग हंसी इमोजी से भरा हुआ है और विज्ञापन में कई मज़ाक उड़ाए गए हैं। एक यूजर ने कमेंट किया, 'अगर मिला तो कहां सर्टिफिकेट देना है स्वर्ग या नर्क? एक अन्य यूजर ने कमेंट किया, ₹समय यात्रा वास्तविक है।₹ एक तीसरे यूजर ने कमेंट किया, ₹गलती करना इंसान है!

खेल महाकुम्भ की व्यवस्थाओं को समय से पूर्ण करने के निर्देश : रेखा आर्य

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 27 सिंतबर , अक्टूबर में आयोजित होने वाले खेल महाकुम्भ को लेकर खेल एवं युवा कल्याण मंत्री रेखा आर्य ने सचिवालय से वर्चुअल माध्यम से जिलाधिकारियों के साथ बैठक करते हुए खेल महाकुम्भ की व्यवस्थाओं को समय से पूर्ण करने के निर्देश दिए। खेल मंत्री ने रायपुर ब्लॉक के तपोवन स्थित खेल मैदान का भी निरीक्षण किया।

बैठक मा0 खेल एवं युवा कल्याण मंत्री रेखा आर्य ने आगामी 1अक्टूबर से शुरू होने जा रहे खेल महाकुम्भ की तैयारीयों के बारे में सम्बंधित अधिकारियो से जानकारी प्राप्त की. कैबिनेट मंत्री ने सभी अधिकारियो को निर्देशित करते हुए कहा की यह आयोजन राज्य के लिए एक बड़ा आयोजन है ऐसे में न्याय पंचायत, ब्लॉक, जिला और राज्य स्तर पर खेलने जा रहे खिलाड़ियों को किसी प्रकार की परेशानी ना हो इसकी व्यवस्था सुनिश्चित कर ली जाए। वही खेल मंत्री ने सभी अधिकारियो को यह भी निर्देश दिए की जहाँ पर भी खेलो का आयोजन होने जा रहा है वहां पर शौचालय, पानी, लाइट, चिकित्सा की समुचित व्यवस्था पहले से बना ली जाये। मा0 खेल मंत्री ने बैठक में संबंधित अधिकारियों के साथ कुल 11

बिन्दुओं पर विस्तृत चर्चा हुई, इस वर्चुअल बैठक में उन्होंने सम्बंधित अफसरों से पंजीकरण, खेल मैदानों की स्थिति, बजट, प्रचार प्रसार, निर्धारित समय सीमा के अंतर्गत प्रतियोगिता का निर्धारण, आयोजन स्थल को चिन्हित करने सहित कई विषयो पर चर्चा की। उन्होंने सभी अधिकारियो को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं की खेल महाकुम्भ के आयोजन को सभी अधिकारी गंभीरता के साथ ले और जो भी परेशानी आ रही है उसे जल्द से जल्द दूर कर लिया जाये।
वर्चुअल बैठक के समापन के बाद खेल मंत्री रेखा आर्य रायपुर ब्लॉक के तपोवन स्थित नवोदय विद्यालय के खेल मैदान पहुचंकर 1 अक्टूबर से आयोजित होने जा रहे खेल महाकुम्भ की तैयारियां परखी। उन्होंने सम्बंधित अधिकारियो को खेल मैदान में सभी अव्यवस्थाओं को जल्द दूर करने के निर्देश दिए।बैठक में वर्चुअल माध्यम से रुद्रप्रयाग, चमोली, पौड़ी, उत्तरकाशी,अल्मोड़ा, पिथौरागढ़, टिहरी जिलों के जिलाधिकारियों सहित हरिद्वार, देहरादून, नैनीताल, उधम सिंह नगर जिलों के सीडीओ वर्चुअल माध्यम से उपस्थित रहे। इस अवसर पर निदेशक खेल एवं युवा कल्याण जितेन्द्र सोनकर ,उप निदेशक युवा कल्याण शक्ति सिंह, सयुंक्त निदेशक युवा कल्याण अजय अग्रवाल, संयुक्त निदेशक खेल धर्मेंद्र भट्ट सहित विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

शीघ्र पूर्ण करें मेडिकल कॉलेजों में निर्माणाधीन कार्य : डॉ0 धन सिंह रावत

स्वास्थ्य मंत्री ने चिकित्सा शिक्षा की समीक्षा बैठक में दिये निर्देश

■ कहा, संबंधित जिलाधिकारी प्रतिमाह करें निर्माण कार्यों की समीक्षा

आशीष तिवारी की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 28 सितम्बर ,चिकित्सा शिक्षा विभाग के तहत राजकीय मेडिकल कॉलेजों एवं नर्सिंग कॉलेजों में चल रहे निर्माण कार्यों को शीघ्र पूरा किया जाय ताकि नया सत्र शुरू होने तक निर्माणाधीन शैक्षणिक भवन एवं छात्रावास बनकर तैयार हो सके। इसके लिये संबंधित जनपदों के जिलाधिकारियों को प्रत्येक माह निर्माणाधीन कार्यों की समीक्षा करने के निर्देश दिये गये हैं। साथ ही मेडिकल कॉलेजों के प्राचार्यों को निर्माण कार्य पूर्ण होने पर तत्काल शासन को उपयोगिता प्रमाण पत्र उपलब्ध कराने को कहा गया है।

चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री डॉ0 धन सिंह रावत ने आज चिकित्सा शिक्षा निदेशालय, चन्दरनगर में राजकीय मेडिकल कॉलेजों एवं नर्सिंग कॉलेजों में निर्माण कार्यों को लेकर समीक्षा बैठक ली। डॉ0 रावत ने बताया कि अल्मोड़ा, पिथौरागढ़, रूद्रपुर, हल्द्वानी, श्रीनगर व हरिद्वार जनपदों के नर्सिंग एवं मेडिकल कॉलेजों में विभिन्न निर्माण कार्य चल रहे हैं।

जिनको समय पर पूर्ण करने के लिये संबंधित जिलाधिकारियों, प्राचार्यों एवं कार्यदायी संस्थाओं को सख्त निर्देश दिये गये हैं। उन्होंने बताया कि निर्माण कार्यों में तेजी लाने के लिये संबंधित जनपदों के जिलाधिकारियों को प्रतिमाह कॉलेज प्रशासन व कार्यदायी संस्था के साथ बैठक कर समीक्षा के निर्देश दिये गये हैं। विभागीय मंत्री ने बैठक में जनपद पिथौरागढ़ में स्वीकृत राजकीय मेडिकल कॉलेज का निर्माण कार्य शीघ्र शुरू कराने तथा बेस अस्पताल का संचालन करने के निर्देश दिये। उन्होंने कोविड काल के दौरान लगे कर्मचारियों को पुनः आउटसोर्स एजेंसी के माध्यम से पुनः तैनाती देने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिये।

इसी क्रम में अल्मोड़ा मेडिकल कॉलेज के निर्माण कार्यों को पूर्ण करने के लिये शेष धनराशि जारी करने के निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिये। अल्मोड़ा मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य ने कॉलेज के विधिवत संचालन के लिये वार्ड ब्वाय एवं सुरक्षाकर्मी सहित अन्य जरूरी कार्मिकों के पद स्वीकृत करने की मांग रखी।

जिस पर विभागीय मंत्री ने प्रस्ताव शासन को भेजने के निर्देश दिये। मेडिकल कॉलेज रूद्रपुर के अंतर्गत नये भवन में अस्पताल शिफ्ट करने के निर्देश अधिकारियों को दिये। जबकि हल्द्वानी मेडिकल कॉलेज में ऑडिटोरियम का कार्य पूर्ण कर शीघ्र यूसी शासन को उपलब्ध कराने को कहा है। राजकीय मेडिकल कॉलेज श्रीनगर में छात्रावासों की मरम्मत, बाउंड्रीवाल फेंसिंग तथा पेयजल के सुदृढ़करण का कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिये। इसी प्रकार जनपद हरिद्वार में निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेज का कार्य भी शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिये गये। इसके अतिरिक्त राज्य कैंसर संस्थान हल्द्वानी, नर्सिंग कॉलेज कोटगी रूद्रप्रयाग, नर्सिंग कॉलेज बाजपुर, नर्सिंग कॉलेज श्रीनगर, जीएनएम कॉलेज रूड़की तथा स्टेट नर्सिंग कॉलेज देहरादून के भवनों के अधूरे कार्यों को भी शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश अधिकारियों को दिये गये।

बैठक में सचिव स्वास्थ्य डॉ0 आर राजेश, कुलपति मेडिकल विश्वविद्यालय प्रो0 हेमचंद पाण्डेय, संयुक्त निदेशक चिकित्सा शिक्षा डॉ0 एम0के0 पंत, वित्त नियंत्रक, कार्यदायी संस्थाओं के अधिकारी उपस्थित रहे जबकि संबंधित जनपदों के जिलाधिकारी, सीएमओ, प्राचार्य एवं कार्यदायी संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने वर्चुअल माध्यम से प्रतिभाग किया।

दैनिक
न्यूज वायरस
न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, मेरठ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक मौ. सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून (उत्तराखंड) से प्रकाशित।
सम्पादक : मौ. सलीम सैफी
कार्यकारी सम्पादक आशीष तिवारी
दूरभाष : 0135-2672002
email-dainiknewsvirus@gmail.com
RNI No.- UTTHIN/2012/44094
वाद-विवाद का न्याय क्षेत्र देहरादून न्यायालय मान्य होगा